ISSN 0972-5539

मीना समाचार MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 27 संख्या ४ VOL. XXVII No. 4 मुंबई Mumbai अक्टूबर-दिसम्बर/Oct.-Dec. 2010

I. अनुसंधान

येल्लोफिन टूना का अच्छा पकड़

आन्ध्र तट के समीप [14° 20.2 उ/80° 32.1' पू एवं 15° 08.3' उ/84° 07.8' पू] कृष्णपट्टणम से नरसापूर क्षेत्र में नवंबर 2010 माह में जलयान मत्स्य दृष्टि द्वारा संचालित सर्वेक्षण के दौरान मोनोफिलमेंट टूना लॉग लाइन द्वारा साठ येल्लोफिन टूना, थुन्नस अलबकेरस पकड़ी गई। औसत हुकिंग दर [एच आर] 1.33% थी। कृष्णपट्टणम से दूर लगभग 28 एन एम में 14° 20.2' उ/80° 32.1' पू के क्षेत्र में एकल सेट में हूकिंग दर 4.44% रही। नमूने की शाखा लंबाई 53-144 से.मी. के आस-पास रहा एवं वजन 2-45 कि.ग्रा. के बीच रहा। कटसुवोनस पेलामिस, करकैरिनस मेलनोप्टेरस, जिफियास ग्लेडियस, कोरिफैना हिप्पुरस, चेलेनिया मिडास तथा अलेपिसोरस एस पी पी जैसी प्रजातियॉ येल्लोफिन टूना के साथ पकड़ी गई।

II. बहिर्गमन

आकाशवाणी/दूरदर्शन केन्द्र के जरिए सूचना बुल्लेटिनः

श्री अशोक एस. कदम, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने कृषि विस्तार में जन संचार माध्यम समर्थन के अधीन 26 नवंबर 2010 को दूरदर्शन केन्द्र, वर्ली, मुम्बई में संपन्न ग्रामीण कार्यक्रम सलाहकार समिति की एक बैठक में भाग लिया।

बेनअक्वा 2010 :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड [एन एफ डी बी] हैदराबाद के सहयोग से पश्चिम बंगाल द्वारा 1-4 अक्टूबर 2010 के दौरान नलबन फिशरीज़ फुड फार्म कॉम्प्लेक्स, सोल्ट लेक सिटी, कोलकत्ता में आयोजित राष्ट्रीय मत्स्य उत्सव बेनअक्वा 2010 में भाग लिया। फिशिंग गियर, नावों का मॉडल तथा सर्वेक्षण गतिविधियों,सर्वेक्षण बेडों, फिशिंग प्रणालियों एवं मात्स्यिकी संसाधनों पर चार्टे इत्यादि भा. मा. स. के स्टॉल में प्रदर्शित किए गए। राज्य मात्स्यिकी विभाग से आगन्तुकों, छात्रों, प्राध्यापकों, कृषकों एवं आम ज़नता ने स्टॉल का दर्शन किया।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला [आई आई टी एफ]-2010

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने 14-27 नंवबर 2010 के दौरान प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारतीय व्यापार उन्नयन संगठन [आई टी पी ओ] द्वारा आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2010 [आई आई टी एफ-2010] में भाग लिया। फिशिंग गियर, नावों के मॉडेल तथा सर्वेक्षण गतिविधियों, सर्वेक्षण बेडों, मत्स्यन प्रणालियों, मात्स्यिकी संसाधन इत्यादि पर चार्टे इत्यादि पवेलियन में दर्शाए गए। आम जनता एवं आई टी पी ओ, भारत सरकार के मंत्रालय एवं सरकारी विभागों के अधिकारियों ने भा. मा. स.

पवेलियन का दर्शन किया। प्रदर्शित वस्तुओं पर वैज्ञानिकों, अध्यापकों, छात्रों, कृषकों तथा सामान्य जनता का ध्यान आकर्षित हुए।

महा मत्स्य उत्सव 2010

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद के सहयोग से महाराष्ट्र सरकार द्वारा बान्द्रा कुर्ला कोम्प्लेक्स, बान्द्रा [पूर्व] में 26-28 दिसंबर 2010 के दौरान आयोजित मत्स्यगंधा मुम्बई 2010, महा मत्स्य उत्सव में भाग लिया। स्टॉल में फिशिंग गियर, नावों के मॉडल तथा सर्वेक्षण गतिविधियों, सर्वेक्षण बेडों, मत्स्यन प्रणलियों पर चार्टे इत्यादि दर्शाए गए। उत्सव का उद्घाटन श्री शरद पवार, कृषि, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामला का माननीय मंत्री द्वारा 26 दिसंबर 2010 को किया गया।

श्री पृथ्वीराज चौहान, माननीय मुख्य मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, श्री अजित पवार,माननीय उप मुख्य मंत्री, महाराष्ट्र और प्रोफे. के. वी. थॉमस, कृषि, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामला का माननीय राज्य मंत्री ने भा. मा. स. का स्टॉल का दर्शन किया। प्रदर्शित वस्तुओं पर वैज्ञानिकों, अध्यापको, छात्रों, कृषकों एवं आम जनता का ध्यान आकर्षित हुए।

चेन्नई बेस में लॉग लाइनिंग पर प्रशिक्षण

आंध्र प्रदेश के पॉच मछुआरे के एक बैच ने चेन्नई बेस का जलयान मत्स्य दृष्टि पर टूना लॉग लाइनिग में नवीनतम प्रौद्योगिकी पर 11-30 अक्टूबर की अवधि के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त किया।

तमिलनाडु, उरुकुप्पम, चेन्नई एवं कांचीपुरम जिला से 14 मछुआरों के एक बैच ने 11 से 30 नवंबर एवं 12 से 30 दिसंबर 2010 की अवधि के दौरान टूना लॉग लाइनिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड [एन एफ डी बी], हैदराबाद के वित्तीय सहायता के साथ आयोजित किया गया।

विशाखपट्टणम में ओपन हाउस

जलयान मत्स्य शिकारी एवं मत्स्य दर्शिनी पर एक ओपन हाउस 9 नवंबर 2010 को फिशिंग हारबर विशाखपट्टणम के फिशरी जेट्टी नं. 6 में संचालित किया गया। मछुआरे समुदाय एवं उद्योग के सदस्यों एवं आम जनता के अतिरिक्त विविध स्कूलों, कॉलेजों के लगभग 500 छात्रों तथा सिफनेट प्रशिक्षार्थियों ने ओपन हाऊस का दर्शन किया।

पोर्टब्लेयर में क्षेत्रीय कार्यशाला

भा. मा. स. का पोर्टब्लेयर बेस द्वारा 'अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों' पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 8 नवंबर 2010 को हॉप टाऊन ग्राम पंचायत में आयोजित किया गया। कार्यशाला का एक हिस्सा के रुप में एक मछुआरे रैली भी आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन श्री बी. लक्ष्मीनारायण, प्रमुख फेरागंज तहसील द्वारा किया गया।

चेन्नई में कार्यशाला एवं ओपन हाऊस

चेन्नई बेस में एक ओपन हाऊस 15 दिसंबर 2010 को आयोजित किया गया। ओपन हाऊस का उद्घाटन डॉ. एच. मोहम्मद कासिम, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी अधिकारी, सी एम एफ आर आई, चेन्नई द्वारा किया गया। विविध कॉलेज, स्कूल के संकाय एवं छात्रों एवं जनसामान्य कार्यशाला में भाग लिया एवं ओपन हाऊस का लाभ उठाया। ओपन हाऊस में चेन्नई मिडिल स्कूल, कासीमेडु, नन्दनम आर्टस कॉलेज, क्वीन मेरीज कॉलेज, मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज, एथिराज कॉलेज, सरकारी पोलिटेकनिक कॉलेज, सिफेनेट, चेन्नई के छात्रों एवं राज्य मात्स्यिकी अधिकारियों, मछुआरे एवं लगभग 520 छात्रों ने समारोह से लाभ उठाया।

समुद्री जैवविविधता पर अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता वर्ष 2010 के समारोह के रुप में, समुद्री जैवविविधता पर एक अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता चेन्नई बेस में 15 दिसंबर को आयोजित की गई। कॉलेज छात्रों के लिए समुद्री जैवविविधता पर अंतर कॉलेज प्रश्नोत्तरी भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष में संचालित किया गया। क्विज़ मास्टर के रुप में डॉ. एच मोहम्मद कासिम ने कार्यक्रम का संचालन किया। क्विज [प्रश्नोत्तरी] प्रतियोगिता में विविध कॉलेज अर्थात् मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज, न्यू कॉलेज एवं महिला मीनाक्षी कॉलेज के छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज रु. 3000/- नकद पुरस्कार के साथ प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया जबकि महिला मीनाक्षी कॉलेज एवं न्यू कॉलेज रु.1500/- नकद पुरस्कार के साथ द्वितीय पुरस्कार आपस में बॉटा।

विशाखापट्टणम में जैव-विविधता प्रदर्शिनी

बेस कार्यालय में 27-29 दिसंबर 2010 के दौरान विशाखापट्टणम बेस द्वारा एक मेगा जैवविविधता प्रदर्शनी 2010 का आयोजन किया गया। भा.मा.स. के अतिरिक्त, सह संगठन अर्थात् समेकित मात्स्यिकी परियोजना, केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, एवं आन्ध्र विश्वविद्यालय ने स्टॉल लगाया। प्रदर्शिनी, जनसामान्य, छात्रों, संस्थानों मछुआरे समुदाय इत्यादि का ध्यान आकर्षित किए। लगभग 2000 लोगों ने प्रदर्शिनी का दर्शन किया।

राजभाषा

प्रशास्ति पत्र एवं आशीर्वाद स्मृति चिन्ह

श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक, भा.मा. स. [मुख्यालय] को सरकारी कार्य में हिन्दी के कार्यान्वयन में अपना योगदान के लिए प्रशास्ति पत्र एवं आशीर्वाद स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। पुरस्कार 29 अक्टूबर 2010 को गोरेगॉव, मुम्बई में संपन्न 19 वॉ आशीर्वाद राजभाषा सम्मेलन में वितरित किया गया।

आशीर्वाद राजभाषा पुरस्कार मुम्बई मुख्यालय के लिए

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण को मुम्बई स्थित छोटे केन्द्र सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री एल. के. राव, व. प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने फिल्म डिविज़न, मुम्बई में 19 नवंबर 2010 को संपन्न 19 वी आशीर्वाद राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह में संयुक्त रुप से पुरस्कार ग्रहण किया।

नराकास [टोलिक] की बैठक में भागीदारी

श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक [मा.] एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने 02.11.2010 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट मुम्बई में संपन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण [मुख्यालय] मुम्बई को राजभाषा दक्षता शील्ड

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण [मुख्यालय] मुम्बई को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए मुम्बई में स्थित छोटे केन्द्र सरकारी कार्यालयों में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुम्बई द्वारा प्रायोजित राजभाषा दक्षता शील्ड प्राप्त हुआ। श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक [मा.] एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने 2 नवंबर 2010 को पश्चिम रेलवे [मुख्यालय] चर्चगेट, मुम्बई में संपन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में शील्ड प्राप्त किया।

कम्प्यूटर पर एक दिवसीय यूनिकोड़ प्रशिक्षण में भागीदारी

श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. हिन्दी अनुवादक ने 22 दिसंबर 2010 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट, मुम्बई में संपन्न कम्प्यूटर पर एक दिवसीय यूनिकोड़ प्रशिक्षण में भाग लिया। विविध केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा प्रबन्ध किया गया था।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा बेस को पुरस्कार

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मार्मुगोवा बेस को दक्षिण गोवा के छोटे केन्द्र सरकारी कार्यालयों में वर्ष 2009-10 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के उत्तम कार्यान्वयन के लिए शील्ड प्राप्त हुआ । श्री वी सी परिडा, अध्यक्ष, एम पी टी और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 19 नवंबर 2010 को नरकास, दक्षिण गोवा की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक में पुरस्कार दिया गया । डॉ. एम ई. जॉन, क्षेत्रीय निदेशक ने शील्ड प्राप्त किया जबकि श्री बी एल अंजना, क. हिन्दी अनुवादक ने प्रमाणपत्र प्राप्त किया । श्रीमती एल. हेमवती, प्रधान, होम टाऊन ग्राम पंचायत प्रमुख अतिथि रही । कार्यशाला में लगभग 80 मछुआरे, पी आर आई सदस्य एवं राज्य मात्स्यिकी अधिकारियों ने भाग लिया ।

हिन्दी कार्यशाला

राजभाषा कार्यान्वयन पर दो हिन्दी कार्यशालाएं क्रमशः 4 अक्टूबर एवं 11 नवंबर 2010 को मार्मुगोवा में संचालित की गई । श्री अनंत श्रीमाली, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना एवं श्रीमती साधना त्रिपाठी, अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यो का कार्यालय मुम्बई प्रथम एवं द्वितीय कार्यशाला में क्रमशः संसाधन व्यक्ति रहे । अधिकारियों एवं कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

नराकास की बैठक में भागीदारी

डॉ. एम ई जॉन, क्षेत्रीय निदेशक ने श्री बी एल अंजना, क.हिन्दी अनुवादक के साथ मार्मुगोवा बेस में 19 नवंबर 2010 को मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट कार्यालय में संपन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लिया ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

मार्मुगोवा बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक 15 नवंबर 2010 को संपन्न हुई । बैठक में अधिकारियों एवं अनुभाग प्रमुख ने भाग लिया । विगत तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति तथा वर्तमान तिमाही के प्रस्तावित कार्यक्रम पर बैठक में चर्चाएं हुई ।

चेन्नई बेस में राजभाषा कार्यक्रम

राजभाषा कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु उप निदेशक [कार्यान्वयन] क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, कोच्चिन ने 13 अक्टूबर 2010 को भा. मा. स. का चेन्नई बेस का दौरा किया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस का सम्मेलन कक्ष में हिन्दी वर्णमाला पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला 18 दिसंबर 2010 को चेन्नई बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारी सदस्यों के हित के लिए आयोजित की गई । श्री कोमल सिंह, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, चेन्नई ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिया । सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

III. सर्वेक्षण उपलब्धियों का प्रसारः

1. चेन्नई बेस ने जुलाई-सितंबर 2010 तिमाही के लिए संसाधन सूचना अंकावली [तमिल एवं अंग्रेजी में] प्रकाशित की ।
2. विशाखापट्टणम बेस ने अक्टूबर-दिसंबर 2010 तिमाही के लिए संसाधन सूचना अंकावली [तेलगु, अंग्रेजी एवं हिन्दी में] प्रकाशित की ।

IV. प्रशिक्षण एवं संगोष्ठियाँ

इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम

एस सी, एस टी एवं ओ बी सी श्रेणी के लिए पदों के आरक्षण हेतु रोस्टर पर एक इन हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 अक्टूबर 2010 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई [मुख्यालय] में संपन्न हुआ । भा. मा.स. मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों से प्रशासनिक कर्मचारियों ने बैठक में भाग लिये ।

संवाद निपुणता सुधारने हेतु प्रशिक्षण

भा.मा.स. ने बी ओ बी पी -आई जी ओ, चेन्नई के सहयोग से 25-26 अक्टूबर 2010 के दौरान बी ओ बी पी चेन्नई में संवाद निपुणता सुधारने पर प्रशिक्षण आयोजित किया । भा. मा.स. के विभिन्न बेस कार्यालयों के अधिकारियों के अतिरिक्त, सिफनेट एवं निफट्ट के अधिकारियों ने भी प्रशिक्षण में उपस्थित हुए । प्रशिक्षण का उद्देश्य औपचारिक संवाद में अपनी निपुणता सुधारने में अधिकारियों का ज्ञान बढ़ाना था ।

मार्मुगोवा में "समुद्री जैवविविधता एवं संपोषित उपयोग" पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मार्मुगोवा बेस में 30 नवंबर 2010 को समुद्री जैवविविधता और संपोषित उपयोग पर एक एकदिवसीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई । डॉ. वी एन नायक, अध्यक्ष, समुद्री जीव विज्ञान विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, पी जी सेंटर, कारवार मुख्य अतिथि रहे एवं डॉ. हरिलाल बी मेनन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, समुद्र विज्ञान विभाग, गोवा विश्वविद्यालय सम्माननीय अतिथि रहें । डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने समारोह की अध्यक्षता की । इस अवसर पर भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण द्वारा भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक चार्ट का विमोचन किया गया । प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. यस्मीन मोडस्सीर, प्रिंसिपल, आर्टस एवं विज्ञान कॉलेज, पणजी गोवा द्वारा किया गया । प्रतिभागियों के हितार्थ भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण द्वारा निर्मित 'कोमेथ द सीज़न' एवं 'बाई केच टु बिग केच' नाम का दो वृत्त चित्र दर्शाई गई । गोवा विश्वविद्यालय एवं कर्नाटक विश्वविद्यालय पी जी केन्द्र से संकाय सदस्यों एवं छात्र, आई सी ए आर अनुसंधान कॉम्प्लेक्स, गोवा, गोवा राज्य मात्स्यिकी विभाग, डेम्पे कॉलेज ऑफ आर्टस एवं साइन्स, पणजी, मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट एवं भा. मा. स. सहित लगभग 75 प्रतिभागियों ने समारोह में उपस्थित हुए ।

बैठकों में भागीदारी

- डॉ. ए. के. भार्गव, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मार्मुगोवा बेस ने 25 नवंबर 2010 को होटल सवेरा, चेन्नई में बंगाल की खाड़ी बृहत् समुद्री पारिस्थितिक तंत्र [बॉबलम] कार्यक्रम मात्स्यिकी निर्धारण कार्य दल पर बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एम ई जॉन, क्षेत्रीय निदेशक, मार्मुगोवा बेस ने 28 दिसंबर 2010 को सी एम एफ आर आई, कोच्चि में आई ओ टी सी में प्रस्तुतीकरण पर ऑकडे की समीक्षा एवं पुनरीक्षण हेतु कार्य दल की बैठक में भाग लिया ।

- डॉ. एम ई जॉन, क्षेत्रीय निदेशक, मार्मुगोवा बेस ने 2 दिसंबर 2010 को कृषि भवन, नई दिल्ली में आई ओ टी सी संकल्प के कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग एवं समीक्षा हेतु कार्य दल की सातवीं बैठक में भाग लिया।

- डॉ. ए. के. भार्गव, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मार्मुगोवा बेस ने 25-26 अक्टूबर 2010 के दौरान बी ओ बी पी चेन्नई में बी ओ बी पी-आई जी ओ की सहायता के साथ आयोजित संवाद निपुणता सुधारने पर प्रशिक्षण में भाग लिया।

- श्री डोलमणि नाईक, अवर श्रेणी लिपिक एवं श्री बी एल अंजना, क. हिन्दी अनुवादक, मार्मुगोवा बेस ने एम पी टी, मार्मुगोवा में 22-26 नवंबर के दौरान हिन्दी में कम्प्यूटर प्रशिक्षण में भाग लिया।

V. महानिदेशक की बैठकों/संगोष्ठियों में भागीदारी

डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक, भा.मा.स. ने निम्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

- एन आई ओ, गोवा के साथ आइविन परियोजना हेतु एम ओ यू का हस्ताक्षर करना तथा टूना अपडेट के संबंध में 4-5 अक्टूबर 2010 के दौरान डॉ. एम ई जॉन, क्षेत्रीय निदेशक, मार्मुगोवा बेस के साथ चर्चा।

- बी ओ बी पी-आई जी ओ चेन्नई में 25-26 अक्टूबर 2010 के दौरान संपन्न संवाद निपुणता सुधारने पर कार्यशाला

- बी ओ बी पी-आई जी ओ चेन्नई में 24-26 अक्टूबर 2010 के दौरान मालद्वीव में एफ. ए. डी. संबंधित मात्स्यिकी का अध्ययन पर बैठक

- जलवायु परिवर्तन एवं द्वीप भेदता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 28-31 अक्टूबर 2010 के दौरान कडमट लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र में संपन्न हुई

- एन ए एस सी कॉप्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में 6-7 नवंबर 2010 के दौरान एन बी एफ जी आर, लखनऊ द्वारा आयोजित डी एन ए बारकोडिंग पर अंतर्राष्ट्रीय परामर्श

- मुरुड, रायगड में 14 नवंबर 2010 को प्रस्तावित फिशिंग हारबर साइट का निरीक्षण

- 15 नवंबर 2010 को रत्नागिरी में पी एफ जेड मिशन सलाहकारी समिति की बैठक

- चेन्नई में 25-26 नवंबर 2010 के दौरान बॉबलम परियोजना के कृत्यक बल एवं मात्स्यिकी निर्धारण कार्य दल की बैठक

- भा. मा. स. का मार्मुगोवा बेस में 30 नवंबर 2010 को समुद्री जैवविविधता एवं संपोषित उपयोग पर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी

- सी एम एल आर ई, कोच्चि में 01 दिसंबर 2010 को समुद्री जीव पर जनगणना पर कार्यशाला

- कृषि भवन, नई दिल्ली में 02 दिसंबर 2010 को संपन्न आई ओ टी सी पर कार्य दल की 7 वीं बैठक

- एम ई डी कोच्चि में 03 दिसंबर 2010 को एम एफ वी सुगन्धी की डीकमीशनिंग हेतु समिति की बैठक

- विक्टोरिया, सीशेल्स में 6-10 दिसंबर 2010 के दौरान संपन्न हिन्द महासागर टूना आयोग के वैज्ञानिक समिति का 13 वॉ सत्र

VI. प्रशासनिक समाचार

1. सेवानिवृत्तियाँ

- श्री पी. एस. परसुरामन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस, 31 अक्टूबर 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

- श्री के. जे. जॉर्ज, स्किप्पर, कोच्चि बेस, 31 अक्टूबर 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

- श्री गिलबर्ट गोमेज, क. डेक हेन्ड, कोच्चि बेस, 31 अक्टूबर 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

- श्री एस. सी. सरकार, मिल्लिंग मशीन प्रचालक, विशाखापट्टणम बेस 30 नवंबर 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

- श्री एम पी जॉर्ज, क्रेन प्रचालक, कोच्चि बेस [एम ई डी] 30 नवंबर 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

- श्रीमती ए. के. पूवरसी, कार्यालय अधीक्षक, चेन्नई, बेस 31 दिसंबर 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

XI. श्री एम स्वामीनाथन का निधन

श्री एम स्वामीनाथन, पूर्व निदेशक, भा. मा. स. तथा एक मात्स्यिकी वैज्ञानिक तथा क्रूसेडर का 13 नवंबर 2010 को थ्रिशूर, केरल में निधन हुआ। दिवंगत गोविन्द पनिक्कर एवं दिवंगत श्रीमती वेसु अम्मा का पुत्र श्री एम स्वामीनाथन का जन्म 2 अगस्त, 1933 को पालक्काड के कोडुवायूर ग्राम में हुआ और कोडुवायुर के आस पास प्राथमिक और बुनियादी प्रशिक्षण लिया। उन्होंने तमिलनाडु के एक कॉलेज से यांत्रिका अभियांत्रिकी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनकी पहली तैनाती सहायक अनुसंधान अधिकारी के रुप में केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्यागिकी संस्थान [आई सी ए आर] में थी। बाद में, उन्होंने अपतट मत्यन स्टेशन, टूटिकोरिन में सहायक अभियंता [यांत्रिक] के रुप में कार्य किया। उसके बाद उन्होंने 1971 में यांत्रिक समुद्री अभियंता के रुप में कोच्चि में इन्डो-नोरवीजियन परियोजना के साथ कार्य किया। उन्होंने कोच्चिन विश्वविद्यालय में एम बी ए हेतु सायं अंश कालिक पाठ्यक्रम में भी भाग लिया।

उनको निदेशक के पद पर समन्वेषी मात्स्यिकी परियोजना [वर्तमान में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण], मुम्बई में पदोन्नत किया गया। वे 1977 के दौरान उत्तर पश्चिमी तट के समीप इन्डो पोलिष सहयोग कार्यक्रम के अधीन एक औद्योगिक मात्स्यिकी सर्वेक्षण शुरु करने के अतिरिक्त, नीदरलैंड, जापान एवं डेनमार्क से बडे परिष्कृत मात्स्यिकी सर्वेक्षण जलयान प्राप्त करने में सफल रहे।

श्री. स्वामीनाथ के बाद उनकी पत्नी श्रीमती प्रभावती स्वामीनाथ तथा उनके बच्चे श्री प्रियू गोविन्द (यू एस ए), डॉ. प्रशांत (थ्रिशूर) प्रणेंद (यू एस ए) जीवित है। मात्स्यिकी बन्धुत्व, शोक सन्तप्त परिवार के शोक एवं दुःख में भागी है तथा दिवंगत स्वामीनाथ की आत्मा को शान्ति मिलने के लिए सर्वशक्तिमान से प्रार्थना करते है।

संकलनकर्ता : श्री. ए. टिबुरसियस व डॉ. एस. के. द्विवेदी; हिन्दी अनुवादक : श्रीमती मीरा वेल्लन राजीव; प्रकाशक : डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि, मंत्रायल, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी. एम. रोड, मुम्बई - 400 001, तार : मीना, वेबसाईट : http://fsi.gov.in
फैक्स : (022) 2270 2270, दूरभाष : 22617144 / 45 मुद्रक : ज्योती एन्टरप्राइज़ेस. दूरभाष : 2263 2173 / 2270 4558.